5. पतंजलि शक्तिधारा (Energy Booster) :

- दूध पैदा करने की क्षमता बढ़ाता है।
- किटोसिस को रोकने में मदद करता है।
- पशु की क्रियाशीलता बढ़ाता है।

खुराक : बड़े पशु 10 मिली./प्रतिदिन, छोटे पशु 5 मिली./प्रतिदिन
पैकिंग : 1 लीटर व 2 लीटर

6. पतंजलि मल्टीविटामिन्स :

- थनों एवं दुग्ध कोशिकाओं का विकास करता है।
- रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है।
- दूध उत्पादन में वृद्धि करता है।
- समय से गर्मी में लाने में मदद करता है।
- पशुओं को तनाव मुक्त रखता है।

खुराक : बड़े पशु 10 मिली./प्रतिदिन, छोटे पशु 5 मिली./प्रतिदिन
पैकिंग : 1 लीटर व 2 लीटर

पतंजलि ग्रामोद्योग
ग्राम बहादरपुर सैनी, पोस्ट दौलतपुर, निकट बहादराबाद, हरिद्वार-249405 (उत्तराखण्ड)
फोन : 91-99974-42533
ईमेल : accountscattlefeed@yahoo.com

पतंजलि ग्रामोद्योग न्यास

पशु आहार उत्पाद विवरण

पतंजलि दुग्धामृत पशुआहार

1. दुग्धामृत पशुआहार यूरिया रहित है, अतः पशुओं में बार-बार गर्मी में आने की समस्या को हल करने में सहायक है।
2. बाईपास प्रोटीन युक्त है जो दूध बढ़ाने में सहायक है।
3. चिलेटिड मिनरल्स व विटामिन्स से परिपूर्ण है जो पशु की रोग प्रतिरोधक व प्रजनन क्षमता बढ़ाने में मदद करता है।
4. जड़ी-बूटी युक्त है जो पशु के शरीर की विभिन्न क्रियाओं को सुचारू रूप से चलाने में सहायक है।
5. प्रोबायोटिक्स युक्त है जो पशु की पाचन शक्ति को बढाता है।
6. पतंजलि पशुआहार प्रतिवर्ष एक बच्चा व प्रति ब्यात 300 दिन दूध दिलाने में सहायक है।

पशु आहार उत्पाद विवरण (6) :

उत्पाद का नाम	दुधारू पशु की दूध की मात्रा	भैंस के लिए राशन मात्रा	गाय के लिए राशन मात्रा	रख-रखाव के लिए मात्रा	गाभिन अवस्था के लिए मात्रा*
1. सिल्वर	5–7 लीटर	2.5–3.5 किलो	2–2.8 किलो	1.5–2.5 किलो	1.5–2.5 किलो
2. सिल्वर प्लस	7–10 लीटर	3.5–5 किलो	2.8–4 किलो	,,	,,
3. गोल्ड	10–15 लीटर	5–7.5 किलो	4–6 किलो	,,	,,
4. डायमंड	15 लि.से ऊपर	7.5 कि.से ऊपर	6 कि.से ऊपर	,,	,,
5. सिल्वर चिप्स	5–10 लीटर	2.5–5 किलो	2–4 किलो	,,	,,
6. गोल्ड चिप्स	10 लि.से ऊपर	5 कि.से ऊपर	4 कि. से ऊपर	,,	,,

**पशु के गाभिन अवस्था के अंतिम 3 महीनों में।*

पतंजलि संतुलित खल (चिप्स) एवं बिनौला खल (BIS TYPE-II) का तुलनात्मक विवरण

पतंजलि संतुलित खल (चिप्स)	बिनौला खल (Cotton Seed Cake BIS TYPE-II)
प्रोटीन की मात्रा 20% लेकिन प्रोटीन विभिन्न स्रोतों से प्राप्त होने के कारण इसमें एमिनोएसिड संतुलित हैं।	प्रोटीन की मात्रा 20% लेकिन प्रोटीन एक स्रोत से प्राप्त होने के कारण इसमें एमिनोएसिड असंतुलित हैं।
फैट की मात्रा 6–7% लेकिन फैट विभिन्न स्रोतों से प्राप्त होने के कारण इसमें फैटीएसिड संतुलित हैं।	फैट की मात्रा 5% लेकिन फैट एक स्रोत से प्राप्त होने के कारण इसमें फैटीएसिड असंतुलित हैं।
रेशे की मात्रा 12% होने के कारण ऊर्जा की मात्रा, बिनौला खल से ज्यादा है।	रेशे की मात्रा 25% होने के कारण ऊर्जा की मात्रा पतंजलि खली से कम है।
खनिज विटामिन की मात्रा 1–2%	एडिड खनिज-विटामिन की मात्रा नहीं है।
जड़ी-बूटी की मात्रा 2%	एडिड जड़ी-बूटी की मात्रा नहीं है।
सभी पांच पोषक तत्व—प्रोटीन, फैट, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन व मिनरल्स युक्त संतुलित पशु आहार है।	मुख्यतः केवल दो पोषक तत्व—प्रोटीन व फैट युक्त असंतुलित पशु आहार है।

पतंजलि खली, बिनौला/बिनौला खल, सरसों/सरसों खल, मूंगफली/सोयाबीन खल, राइस पॉलिश, शीरा, विभिन्न प्रकार के अनाज एवं विटामिन्स, मिनरल्स के साथ-साथ विभिन्न जड़ी-बूटियों से निर्मित की जाती है।

पूरक पशु आहार विवरण (6)

1. पतंजलि संवृद्धि :

- गाय व भैंस के लिये उपयुक्त।
- शाकाहारी तरल कैल्शियम टॉनिक, विटामिन A, D_3, B_{12}, युक्त।
- संवृद्धि दुधारू, गाभिन व बढ़ते पशुओं में पोषक तत्वों की कमी को पूरा करता है।
- संवृद्धि में जडी-बूटी (जीवन्ती शतावरी पाइपर लोंगम) एवं सिलिमेरिन सम्मिलित है।
- आम के स्वाद में उपलब्ध है।

खुराक : बड़े पशु 100 मिली./प्रतिदिन, छोटे पशु 40 मिली./प्रतिदिन
पैकिंग : 1 लीटर, 5 लीटर

2. पतंजलि गर्भांजलि :

- पशु के ब्याने के बाद गर्भाशय की सम्पूर्ण देखभाल करता है।
- गर्भांजलि जेर निकालने में मदद करता है।
- गर्भांजलि ब्याने की नकारात्मक ऊर्जा को व्यवस्थित करता है।
- गर्भांजलि में आयरन है जो खून की कमी की पूर्ति करता है।
- गर्भांजलि गर्भाशय की सफाई कर पायोमेटरा व मेटराइटिस से बचाव करता है।

खुराक : बड़े पशु 100 मिली./प्रतिदिन, छोटे पशु 40 मिली./प्रतिदिन
पैकिंग : 1 लीटर

3. पतंजलि बतीसा प्रो. :

- पतंजलि बत्तीसा भूख बढ़ाता है एवं पाचन/जुगाली में मदद करता है।
- पतंजलि बत्तीसा रुमेन pH को बैलेन्स करता है।
- पतंजलि बत्तीसा प्रोबॉयटिक्स व प्रिबॉयटिक्स के साथ है।

खुराक : 25 ग्राम दिन में दो बार
पैकिंग : 100 ग्राम, 50 ग्राम व 1 किलोग्राम

4. पतंजलि यकृतामृत (Liver Tonic) :

- पतंजलि यकृतामृत पशुओं के शरीर का सम्पूर्ण विकास करता है।
- भूख तथा पाचन शक्ति को बढ़ाता है।
- लीवर को स्वस्थ एवं क्रियाशील बनाता है।

मात्रा : बड़े पशु 80–100 मिली. प्रतिदिन, छोटे पशु : 40–50 मिली. प्रतिदिन
पैकिंग : 1 लीटर एवं 5 लीटर